हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद् CIN U20299DL 1986NPL023253
EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS
"EPCH HOUSE" POCKET 6 & 7, SECTOR - C, L.S.C., VASANT KUNJ, NEW DELHI-110 070
Tel.: +91-11-26135256 / 57 / 58
Fax: +91-11-26135518 / 19
E-mail: mails@epch.com
Web : www.epch.in

ईपीसीएच ने केंद्रीय वित्त मंत्री के साथ बातचीत के दौरान उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना में हस्तशिल्प क्षेत्र को शामिल करने की मांग की

NEW DELHI – 20th February'2023 - आज जयपुर में आयोजित पोस्ट बजट इंटरेक्शन के दौरान, माननीय केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्री, श्रीमती निर्मला सीतारमण ने जयपुर में प्रमुख निर्यातकों के साथ बातचीत की। श्री दिलीप बैद, उपाध्यक्ष-ईपीसीएच ने बातचीत में भाग लेते हुए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना में फर्नीचर क्षेत्र को शामिल करने से संबंधित मामले को मजबूती से उठाया। अपने संबोधन के दौरान, उन्होंने कहा कि भारत में फर्नीचर उद्योग में सूक्ष्म और लघु इकाइयों का वर्चस्व है और उत्पादन और निर्यात को बढ़ाने के लिए, जैसे की भारत सरकार नियमित रूप से पीएलआई योजना में नए संभावित क्षेत्रों को जोड़ रही है, जैसे की लकड़ी के दस्तकारी वाले फर्नीचर की भारत और विदेशी बाजार दोनों में क्षमता है, और इस विषय को ध्यान में रखते हुए कृपया इस सेगमेंट पर भी पीएलआई योजना के तहत विचार किया जाना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा, हस्तशिल्प क्षेत्र जो भारतीय अर्थव्यवस्था का एक श्रम प्रधान क्षेत्र है और इसमें धातु के सामान, कांच के बने पदार्थ, लकड़ी के सामान, पत्थर के पात्र, हाथ से बने वस्त्र, फैशन आभूषण और सहायक उपकरण और अन्य प्राकृतिक फाइबर उत्पाद शामिल हैं, मेरा निवेदन है की हस्तशिल्प क्षेत्र के लिए 10.00 करोड़ रुपये और उससे अधिक के टर्नओवर वाले निर्यातकों के लिए भी एक इसी तरह की स्कीम का प्रवधान किया जाये ।

माननीय मंत्री जी ने बोलते हुए बताया की बजट घोषणा में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना (PM Vikas) के तहत हाथ से बने उत्पादों के लिए विशेष पैकेज की घोषणा की है। श्री दिलीप बैद ने कहा कि माननीय मंत्री ने उठाए गए मुद्दों को धैर्यपूर्वक सुना और आशा व्यक्त की कि इस क्षेत्र को समाधान प्रदान किया जाएगा।

इस अवसर पर ईपीसीएच के महानिदेशक श्री राकेश कुमार ने सूचित किया कि ईपीसीएच दुनिया भर के विभिन्न देशों में भारतीय हस्तशिल्प निर्यात को बढ़ावा देने और उच्च गुणवत्ता वाले हस्तशिल्प उत्पादों और सेवाओं के एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में विदेशों में भारत की छवि बनाने के लिए जिम्मेदार एक नोडल संस्थान है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान हस्तशिल्प निर्यात 33253.00 करोड़ (4459.76 मिलियन अमेरिकी डॉलर) रहा, जिसमें बीते वर्ष की तुलना में रुपये के संदर्भ में 29.49% और डॉलर के संदर्भ में 28.90% की वृद्धि दर्ज हुई है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान राजस्थान से हस्तशिल्प निर्यात रु10,100 करोड़ रहा।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें :

श्री राकेश कुमार, महानिदेशक- ईपीसीएच
+91-9818272171

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
CIN U20299DL 1986NPL023253
EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS
"EPCH HOUSE" POCKET 6 & 7, SECTOR - C, L.S.C., VASANT KUNJ, NEW DELHI-110 070
Tel.: +91-11-26135256 / 57 / 58
Fax: +91-11-26135518 / 19
E-mail: mails@epch.com
Web : www.epch.in

EPCH SEEKS INCLUSION OF HANDICRAFTS SECTOR IN THE PRODUCTION LINKED INCENTIVE (PLI) SCHEME DURING INTERACTION WITH UNION FINANCE MINISTER

NEW DELHI – 20th February'2023 - Today during the post budget interaction organized at Jaipur, Hon'ble Union Finance and Corporate Affairs Minister, Smt Nirmala Seetharaman interacted with prominent exporters at Jaipur. Shri Dileep Baid, Vice-Chairman-EPCH taking part in the interaction strongly took up the matter pertaining to the inclusion of the Furniture sector in the Production Linked Incentive (PLI) scheme. During his address, he said the furniture industry in India is dominated by micro and small units and in order to scale up the production and exports, as the Government of India is regularly adding new potential sectors in the PLI scheme and keeping in view the immense potential that Wooden Handcrafted Furniture has both in India and in overseas market, this segment may also kindly be considered under the PLI Scheme.

He further added, the handicrafts sector which is a labor intensive sector of the Indian economy and comprise in artmetalware, glassware, woodware, stoneware, handprinted textiles, fashion jewellery & accessories and other natural fibre products, a similar scheme for the handicrafts sector on incremental exports value for the exporters with turnover of Rs. 10.00 crore and above for cottage sector may be considered.

While speaking, the Hon'ble Minister refer to PM Vishwakarma Kaushal Samman Yojana with special package for hand crafted products has been announced. Shri Dileep Baid said that Hon'ble Minister gave a patient hearing to the issues raised and hoped that the solution would be provided to the sector.

EPCH is a nodal agency for promoting exports of handicrafts from the Country to various destinations of the world and projecting India's image abroad as a reliable supplier of high quality handicrafts goods & services. The Handicrafts exports during the year 2021-22 was Rs. 33253.00 Crores registering a growth of 29.49% in rupee term over previous year. The handicrafts exports from Rajasthan during 2021-22 has been Rs. 10,100 crores, informed by Mr. Rakesh Kumar, Director General – EPCH.

For more information please contact:
Shri Rakesh Kumar, Director General– EPCH:
+91- 9818272171

Encl : Hindi, English version and photos

Shri Dileep Baid, Vice-Chairman-EPCH